लघूत्तरात्मक प्रश्न

प्रश्न 1. हालदार साहब को दूसरी बार देखने पर मूर्ति में क्या अंतर दिखाई दिया?

उत्तर-हालदार साहब को दूसरी बार देखने पर मूर्ति का चश्मा बदला हुआ मिला। पहले मोटे फ्रेमवाला चौकोर चश्मा था, अब तार फ्रेमवाला गोल चश्मा है।

प्रश्न 2.बालगोबिन भगत किस प्रकार के व्यक्तियों को अधिक स्नेह का पात्र मानते थे और क्यों?

उत्तर- बालगोबिन भगत कमजोर, असहाय, बीमार, गरीब आदि प्रकार के व्यक्तियों को अधिक स्नेह का पात्र मानते थे। उनकी समझ में ऐसे आदमियों को ज्यादा प्यार व देखभाल की आवश्यकता होती है।।

प्रश्न 3. लेखक ने सेकेण्ड क्लास का रेल टिकट लेने का क्या कारण बताया है? लखनवी अंदाज अध्याय के आधार पर लिखिए ।

उत्तर- लेखक ने भीड़ से बचने, एकांत में नयी कहानी के संबंध में सोच सकने और खिड़की से प्राकृतिक दृश्य देख सकने के लिए सेकेण्ड क्लास का टिकट लिया था।

प्रश्न 4. 'काशी' की क्या विशेषताएँ बताई गई हैं? संक्षेप में लिखिए।

उत्तर-काशी संस्कृति की पाठशाला है, काशी में कलाधर हनमान व नत्य विश्वनाथ हैं, काशी में 'बिस्मिल्ला खा' है ।

काशी में अलग-अलग मजहब और तहजीब के लोग हैं। सबकी अपनी बोली, उत्सव, त्यौहार, संगीत, सेहरा-बन्ना और अपना नौहा है।

प्रश्न 5. सूरदास जी ने उद्धव एवं कमल-पत्र में क्या समानता बताई है?

उत्तर- उद्धव जी के व्यवहार को देखते हए सरदास जी ने उद्धव की तुलना जल में रहने वाले कमल के पतो से की है--जिस प्रकार जल में रहकर भी कमल के पत्ते जल से प्रभावित नहीं होते हैं, जल को स्वयं पर टिकने नहीं देते उसी प्रकार उद्धव कृष्ण का साथ पाकर भी उनके प्रेम से दूर हैं, अप्रभावित हैं।

प्रश्न 6.'दोहा' नामक छंद के लक्षण लिखिए।

उत्तर- दोहा छंद में चार चरण होते हैं। पहले और तीसरे चरण में तेरह-तेरह मात्राएँ तथा दूसरे और चौथे चरण में ग्याहर-ग्यारह मात्राएं होती हैं। चरण के अन्त में यति होती है। इसके पहले और तीसरे चरणा क आदि में जगण नहीं होना चाहिए तथा दूसरे व चौथे चरण के अन्त में एक लघु अवश्य होना चाहिए।

प्रश्न 7. 'कन्यादान' कविता में एक माँ अपनी बेटी को क्या सीख दे रही है? संक्षेप में लिखिए।

उत्तर- पहली सीख माँ बेटी को देती है कि सौन्दर्य पर अभिमान मत करना क्योंकि यह स्थाई नही होता है। दूसरी कि आग का प्रयोग सिर्फ खाना बनाने हेतु करना, कोई तुम्हें जलाने का प्रयत्न करे तो विरोध करना। तीसरी कि आभूषणों एवं वस्त्रों के प्रति आकर्षण मत रखना क्योंकि यह स्त्री जीवन के लिए बंधन होते हैं। लड़की होना पर लड़की जैसी मत दिखना।

प्रश्न 8. 'अट नहीं रही है' कविता के आधार पर फाल्गुन ऋतु के सौन्दर्य को संक्षेप में लिखिए।

उत्तर- कवि ने ऋतुराज का वर्णन करते हुए कहा कि फाल्गुन मास में सुन्दर-सुन्दर फूल खिलने लगते हैं । पूरा वातावरण महकने लगता है। चारों तरफ हरियाली, रंग-बिरंगी तितलियाँ व भौंरों के मधुर गुंजार सुनाई व दिखाई देते हैं। लाल-हरे फूल-पत्तों की सुन्दरता प्रकृति को नई दुल्हन की तरह सज्जित करती है।

प्रश्न 9. 'महतारी के हाथ से खाने पर बच्चों का पेट भी भरता।' ऐसा क्यों कहा गया? 'माता का अँचल' अध्याय के आधार पर संक्षेप में लिखिए।

उत्तर- महतारी यानि कि माँ बच्चे को खेल-खेल में, कहानियाँ सुना कर बड़े ही प्यार से बच्चों का ध्यान खाने पर से हटा देती है और खेल में लगा देती है इस बीच उनको बीच-बीच में मुँह में कौर देती जाती है जो कि माँ ही कर सकती है, आदमी नहीं इसलिए ऐसा कहा गया है।

प्रश्न 10. नई दिल्ली का कायापलट क्यों किया जा रहा था? 'जॉर्ज पंचम की नाक' अध्याय के आधार पर संक्षेप में लिखिए।

उत्तर- इंग्लैण्ड की रानी एलिजाबेथ द्वितीय अपने पति के साथ हिन्दुस्तान आ रही थी। ऐसे में उनके कार्यक्रमों का ब्यौरा, उनकी वेशभूषा, खान-पान सभी के विषय में बड़ी चर्चा चल रही थी। इन खबरों से हिन्दस्तान की राजधानी में तहलका मचा हुआ था। रानी पालम के हवाई अड्डे पर उतरेगी इसलिए दिल्ली का कायापलट हो रहा था।

प्रश्न 11. नार्गे ने 'धर्मचक्र' की क्या विशेषता बताई? 'साना-साना हाथ जोडि' अध्याय के आधार पर लिखिए।

उत्तर-- लेखिका पर्वोत्तर भारत के सिक्किम राज्य की राजधानी गंगटोक गई थी। वहाँ पर एक कुटिया में पता चक देखा पछने पर नार्गे ने बताया कि धर्म-चक्र है। प्रेयर व्हील । इसको घुमाने से सारे पाप धल जाते हैं।

प्रश्न 12. 'मन्नू भण्डारी' का जीवन व कृत्तित्व संक्षेप में लिखिए।

उत्तर- मन्नू भंडारी का जन्म सन् 1931 में भानपुरा मध्य प्रदेश में हुआ। उनकी शिक्षा-दीक्षा राजस्थान के अजमेर में हुई। हिन्दी कथा साहित्य की प्रमुख लेखिका की रचनाओं में स्त्री-मन से जुड़ी अनुभूतियों को देखा जा सकता है। इन्होंने अनेक कहानियाँ, उपन्यास व आत्मकथ्य लिखा है। इन्हें अनेक पुरस्कार भी प्राप्त हए हैं। इनको मृत्यु 15 नवम्बर, 2021 को हुई है।

प्रश्न 13. रामवृक्ष बेनीपुरी का जीवन एवं कत्तित्व परिचय संक्षेप में लिखिए।

उत्तर- रामवृक्ष बेनीपुरी का जन्म बिहार के बेनीपुर गाँव में 1899 में हुआ। ये मैट्रिक पास कर स्वतंत्रता आन्दोलन से जुड़ गए। पन्द्रह वर्ष की आयु से इनकी रचनाएँ पत्र-पत्रिकाओं में छपने लगी। इन्होंने अनेक नाटक, उपन्यास, कहानी, यात्रावत्तांत. रेखाचित्र लिखे हैं। इन्हें कलम का जादूगर कहा जाता है। इनकी मृत्य सन् 1968 में हुई।

प्रश्न 14. जयशंकर प्रसाद का जीवन एवं कत्तित्व परिचय संक्षेप में लिखिए।

उत्तर- छायावादी कवि जयशंकर का जन्म सन 1889 में वाराणसी में हुआ। इनका जीवन अत्यन्त सघर्षमय रहा। इन्होंने नाटक, कहानी, उपन्यास. आलोचना. कविता आदि विधाओं पर लिखा है। कामायनी इनकी कालजयी कृति है। सन् 1937 में इनका निधन हो गया था।

प्रश्न 15. गिरिजा कुमार माथुर का जीवन व कृतित्व परिचय संक्षेप में लिखिए।

उत्तर- कवि गिरिजा कुमार माथुर का जन्म सन् 1918 में गुना मध्य प्रदेश में हुआ। नयी कविता के कवि गिरिजा कुमार माथुर विषय की मौलिकता को ध्यान में रखते हुए शिल्प की कला में वातावरण के माध्यम से रंग भरते थे। इन्होंने अनेक काव्य-संग्रह, नाटक, आलोचना ग्रन्थ लिखे। इनका देहान्त 1994 में हुआ।

प्रश्न 16. हालदार साहब को मूर्ति के सामने से गुजरने पर उन्हें क्या अंतर दिखाई देता था और क्यों?

उत्तर- हालदार साहब को मूर्ति के सामने से गुजरने पर हर-बार मूर्ति पर लगे चश्मे के फ्रेम के बदल जाने का अन्तर दिखाई पड़ता था, क्योंकि कैप्टन अपने ग्राहक की पसन्द पर लगे फ्रेम को बदल कर अन्य फ्रेम वाले चश्मे को लगा देता था।

प्रश्न 17. बालगोबिन भगत के संगीत के स्वर लोगों को किस प्रकार नींद से जगाने की प्रेरणा देते थे और क्यों?

उत्तर- बालगोबिन भगत के संगीत के स्वर लोगों को सामान्य नींद से जागने की प्रेरणा न देकर, सांसारिक मोह-माया की नींद से जागने की प्रेरणा देते थे. वयोकि उनके गीत-संगीत एवं प्रभाती के स्वर प्रभु-भक्ति से पूरित होते थे।

प्रश्न 18. लेखक और नवाब साहब ने एक-दूसरे के साथ कैसा व्यवहार किया? लखनवी अंदाज अध्याय के आधार पर लिखिए।

उत्तर- लेखक और नवाब साहब ने एक-दूसरे के साथ बेगानेपन और अवांछितों जैसा व्यवहार किया। पहले नवाब ने मुँह फेरा । बाद में लेखक ने भी आत्मसम्मान की द्रष्टि से अपना ध्यान हटा लिया।

प्रश्न 19. शहनाई और काशी से बढ़कर कोई जन्नत नहीं इस धरती पर हमारे लिए। बिस्मिल्ला खाँ ऐसा क्यों कहते थे?

उत्तर- बिस्मिल्ला खाँ के लिए शहनाई और काशी से बढ़कर इस धरती पर स्वर्गिक सुख प्रदान करने वाली और दूसरी कोई चीजें नहीं थीं। इसलिए वे शहनाई और काशी को अपने लिए सबसे बड़ी जन्नत मानते थे। इसलिए वे ऐसा कहते थे।

प्रश्न 20. 'प्रीति-नदी में पाउँ न बोर्यो' के माध्यम से गोपियाँ उद्धव से क्या कहना चाहती हैं?

उत्तर- 'प्रीति-नदी में पाउँ न बोर्यो' के माध्यम से गोपियाँ उद्धव से कहना चाहती हैं कि प्रेम-रस से सिक्त कृष्ण के साथ रहते हुए भी तुमने कभी भी प्रेम रूपी नदी में डुबकी लगाने का प्रयास नहीं किया है।

प्रश्न 21.'चौपाई' नामक छंद के लक्षण लिखिए।

उत्तर- मात्रिक छंद चौपाई चार पंक्तियों का होता है और इसकी प्रत्येक पंक्ति में 16 मात्राएँ होती हैं।

प्रश्न 22. कन्यादान कविता के आधार पर बताइए कि कविता में कोरी भावुकता नहीं, बल्कि एक माँ के संचित अनुभवों की पीड़ा की प्रामाणिक अभिव्यक्तियाँ हैं।

उत्तर- माँ अपनी बेटी के सुख-दुःख की साथी व साक्षी होती है। सामाजिक व्यवस्था द्वारा स्त्रियों के लिए आचरण संबंधी प्रतिमान गढ़े गये हैं। वे आदर्श के आवरण में बँधे हैं। एक स्त्री होने के नाते माँ अपने अनुभव द्वारा बेटी को उपयुक्त सलाह देती है।

प्रश्न 23. 'अट नहीं रही है' कविता का मूल भाव लिखिए।

उत्तर- 'अट नहीं रही है' कविता में फागुन की मस्ती भरी प्राकृतिक सुषमा एवं उल्लास का वर्णन किया गया है। इसमें कहीं मादक हवाएँ हैं, कहीं वृक्षों पर लाल हरे पत्ते उग आए हैं, कहीं रंग-बिरंगे फूल खिले हैं। हर जगह शोभा समाये नहीं समा पा रही है।

प्रश्न 24. 'माता का अँचल' पाठ के आधार पर लेखक की स्वभावगत विशेषताएं बताइए।

उत्तर- लेखक के पिता भगवान् के परम भक्त और भोले स्वभाव के व्यक्ति थे। वे प्रतिदिन पूजा-पाठ करने के बाद 'रामनामा बही' पर हजार बार राम-नाम लिखते। आटे की गोलियों में लपेटकर उन्हें मछलियों को खिलाते थे। पुत्र-स्नेह के कारण उसके साथ खेल खेलते और उसे संस्कार भी देते थे।

प्रश्न 25. मूर्तिकार को बिहार के शहीद बच्चों की नाक भी जॉर्ज पंचम की नाक से बड़ी क्यों लगी?

उत्तर- बिहार के शहीद बच्चों ने देश की खातिर प्राणों को न्यौछावर किया था। देश का मान-सम्मान बढ़ाया था, जबकि जॉर्ज पंचम ने देश को गुलाम बनाकर अपनी दर्नीतियों के साथ शासन किया था।

प्रश्न 26."कितनी अद्भुत व्यवस्था है जल संचय की।" मणि ने प्रकृति की जल व्यवस्था के सम्बन्ध में यह क्यों कहा है? साना-साना हाथ जोडि... अध्याय के आधार पर लिखिए।

उत्तर- मणि ने कहा प्रकृति सर्दियों में काफी बर्फ गिराकर हिमशिखरों के रूप में जलस्तम्भ खड़े कर देती है। इस तरह वह जल-संग्रह का नायाब ढंग से इन्तजाम कर देती है। जब गर्मियों में जल की किल्लत पड़ती है तब यही बर्फ शिलाए पिघल-पिघल जलधारा बन कर हमारे सूखे कण्ठों को तरावट पहुँचाती हैं।

प्रश्न 27. लेखक यशपाल' का जीवन व कृतित्व परिचय संक्षेप में लिखिए।

उत्तर- यशपाल का जन्म सन् 1903 में पंजाब के फिरोजपुर छावनी में हुआ था। उन्होंने अपनी पढ़ाई लाहौर कॉलेज से की। वे क्रान्तिकारी धारा से जुड़े। जिसके कारण उन्होंने सामाजिक विषमता, राजनैतिक पाखण्ड और रूढ़ियों के खिलाफ रचनाएँ की। उन्होंने कहानियों और उपन्यासों की रचना की। उनकी मृत्यु सन् 1976 में हुई।

प्रश्न 28. लेखक यतीन्द्र मिश्र का जीवन व कृतित्व परिचय संक्षेप में लिखिए।

उत्तर- यतीन्द्र मिश्र का जन्म सन् 1977 में अयोध्या में हुआ। लखनऊ विश्वविद्यालय से पढ़ाई कर इनके तीन काव्य-संग्रह-यदा-कदा, अयोध्या तथा अन्य कविताएँ, ड्योढ़ी पर आलाप आदि प्रकाशित हुए हैं। यह साहित्यिक पुरस्कार प्राप्त कर विमला देवी फाउण्डेशन का संचालन कर रहे हैं।

प्रश्न 29. 'सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला' का जीवन व कृतित्व परिचय संक्षेप में लिखिए।

उत्तर- निरालाजी का जन्म बंगाल के मेदनीपुर में सन् 1899 में हुआ। इनकी औपचारिक शिक्षा महिषादल में नौवीं तक हुई। अनामिका, परिमल आदि इनके काव्य-संग्रह हैं । इन्होंने उपन्यास, कहानी, आलोचना तथा निबन्ध भी लिखे हैं। इनका देहान्त सन् 1961 में हो गया।

प्रश्न 30. नागार्जुन का जीवन व कृतित्व परिचय संक्षेप में लिखिए।

उत्तर- नागार्जुन का जन्म बिहार के दरभंगा जिले के सतलखा गाँव में सन् 1911 में हुआ था। इनकी शिक्षा बनारस और कोलकाता में हुई। बौद्ध धर्म में दीक्षित होने के उपरान्त इन्होंने सम्पूर्ण भारत की यात्रा की। इनके रचित काव्य 'युगधारा, तुमने कहा था' आदि हैं । सन् 1998 में इनका देहान्त हो गया।

प्रश्न 31. 'नेताजी का चश्मा' कहानी में निहित देश-भक्ति के संदेश को स्पष्ट कीजिए।

उत्तर-- कहानी में निहित सन्देश यह है कि देशभक्ति प्रकट करने के लिए फौजी होना और बलवान होना जरूरी नहीं है। हर देशवासी अपनी सोच और सामर्थ्य के आधार पर देश के लिए त्याग कर सकता है। देश से प्रेम करना तथा देशभक्तों का सम्मान करना हम सभी का परम कर्तव्य है।

प्रश्न 32. बालगोबिन भगत का मृत्यु के प्रति क्या दृष्टिकोण था?

उत्तर- बालगोबिन कबीरपंथी संत थे। वे मृत्यु को दुःख का कारण न मानकर आत्मा-परमाया के मिलन का साधन मानते थे। इसी सोच के कारण उन्होंने पुत्र की मृत्यु पर पुत्रवधू को रोने के स्थान पर उत्सव मनाने को कहा था।

प्रश्न 33. "अपनों का विश्वासघात व्यक्ति की दिशा और दशा दोनों को बदल देता है।" 'एक कहानी यह भी' पाठ के आधार पर बताइए।

उत्तर--- अपनों का विश्वासघात व्यक्ति को तोड़कर रख देता है। वह स्थान बदलने साथ ही शक्की, अहंकारी, क्रोधी और चिड़चिड़ा लेखिका के पिता की भाँति होकर अपने व्यक्तित्व को भी खण्डित कर लेता है।

प्रश्न 34. बिस्मिल्ला खाँ का क्या विश्वास था?

उत्तर- बिस्मिल्ला खाँ को यह विश्वास था कि खुदा उन पर कभी मेहरबान अवश्य होगा और अपनी झोली से निकाल कर उन्हें सुर रूपी फल अवश्य प्रदान करेगा। इससे उसकी शहनाई वादन की सुरीली मुराद पूरी होगी।

प्रश्न 35. गोपियाँ कृष्ण को हारिल की लकड़ी क्यों कहती हैं?

उत्तर- हारिल पक्षी अपने पंजों में रात-दिन लकड़ी के टुकड़े को थामे रहता है उसी प्रकार गोपियाँ भी कृष्ण को दिन-रात अपने मन में बसाए रखती हैं । इसी समानता के आधार पर वे कृष्ण को हारिल की लकड़ी कहती हैं।

प्रश्न 36. क्रोध पर विनय और व्यंग्य का अलग-अलग प्रभाव कैसे पड़ता है? 'राम-लक्ष्मण परशुराम संवाद' के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

उत्तर- विनय क्रोध को शान्त करता है, जबकि व्यंग्य क्रोध को भड़काता है। लक्ष्मण परशुराम के प्रति जैसे-जैसे व्यंग्यपूर्ण कथन करते हैं, वैसे-वैसे परशुराम का क्रोध बढ़ता जाता है। इसके विपरीत श्रीराम की विनयपूर्ण वाणी उनके क्रोध को शान्त कर देती है।

प्रश्न 37. कवि किसे विडम्बना मानता है और क्यों?'आत्मकथ्य' कविता के आधार पर लिखिए

उत्तर- कवि अपने स्वभाव की सरलता को दोष नहीं देना चाहता है। उसे सरलता के कारण ही अनेक कष्ट सहने पड़े। इसे ही वह विडम्बना अर्थात् अपना दुर्भाग्य मानता है, क्योंकि सरलता के कारण झेले गये कष्टों को वह बुरा नहीं मानता है।

प्रश्न 38. 'छाया मत छूना' गिरिजा कुमार माथुर की यह कविता क्या संदेश देता है।

उत्तर- 'छाया मत छूना' कविता यह संदेश देती है कि अतीत की मधुर स्मृतियों में खोकर वर्तमान जीवन को कष्टमय और दु:खी नहीं बनाना चाहिए। अतीत को भूलकर वर्तमान के कठोर यथार्थ का सामना कर भविष्य को सुदृढ़ बनाना चाहिए।

प्रश्न 39. कमलेश्वर ने 'जॉर्ज पंचम की नाक' कहानी का सारा व्यंग्य 'नाक' शब्द पर केन्द्रित किया है। इस कथन को पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

उत्तर--- लेखक ने व्यंग्य किया है–जो अंग्रेजों की हुकूमत से आजादी मिलने के बाद भी मानसिक गुलामी से ग्रस्त हैं और विदेशियों के मान-सम्मान अर्थात् जॉर्ज पंचम की नाक लगाने को सर्वोपरि मानते हैं।

प्रश्न 40. भोलानाथ अपने साथियों को देखकर सिसकना को भूल जाता था? 'माता का अँचल' पाठ के आधार पर लिखिए।

उत्तर- भोलानाथ अपने साथियों को देखकर सिसकना इसलिए भूल जाता था, क्योंकि बच्चों की हमजोलियों का साथ खूब भाता है। भोलानाथ अपने हमजोलियों के साथ तरह-तरह के खेल खेला करता था।

प्रश्न 41. 'मन काव्यमय हो उठा सत्य और सौन्दर्य को छूने लगा।' किस दृश्य को देखकर लेखिका का मन काव्यमय हो गया? साना-साना हाथ जोड़ि-पाठ के आधार पर लिखिए।

उत्तर- सिक्किम के हिमालयी क्षेत्र की यात्रा के दौरान 'सेवन सिस्टर्स वाटर फाल' के दृश्य को देखकर लेखिका आत्मा का संगीत सुनने लगी। परिणामस्वरूप भावुकता समानता समा जाने से उसका मन काव्यमय हो गया।

प्रश्न 42. स्वयं प्रकाश का जीवन व कृतित्व परिचय संक्षेप में लिखिए।

उत्तर- स्वयं प्रकाश का जन्म 1947 में इन्दौर में हुआ था। उन्होंने मैकेनिकल इंजीनियरिंग की पढ़ाई की। उन्होंने 'सूरज कब निकलेगा' आदि कहानी तथा उपन्यास भी लिखे हैं। उनका देहान्त 2019 में हुआ।

प्रश्न 43. रामवृक्ष बेनीपुरी का जीवन व कृतित्व परिचय संक्षेप में लिखिए।

उत्तर- रामवृक्ष बेनीपुरी का जन्म मुजफ्फर जिले के बेनीपुर गाँव में सन 1899 में हुआ। मैरिट तक शिक्षा पास कर स्वाधीनता संग्राम से सक्रिय रूप से जडकर इन्होंने कहानी, उपन्यास, नाटक, यात्रा-वृत्तान्त तथा रेखाचित्र आदि विषयों पर अपनी लेखनी चलायी।

प्रश्न 44. सूरदास का जीवन व कृतित्व परिचय संक्षेप में लिखिए।

उत्तर- सूरदास का जन्म सन् 1478 में दिल्ली के निकट सीही गाँव में हुआ था तथा निधन सन् 1583 में हुआ। वे जन्मांध थे। वे अष्टछाप के भक्तकवियों में सर्वाधिक प्रसिद्ध थे। वे गऊ घाट पर रहते थे। सूरसागर, सूरसारावली, साहित्य लहरी उनके-प्रमुख ग्रन्थ हैं।

प्रश्न 45. जयशंकर प्रसाद का जीवन व कृतित्व परिचय संक्षेप में लिखिए।

उत्तर- जयशंकर प्रसाद का जन्म सन् 1889 में वाराणसी में सुंघनी परिवार में हुआ तथा उनका निधन सन् 1937 में हुआ। उन्होंने कहानी, उपन्यास, नाटक, आलोचना व कविता आदि विधाओं पर साहित्य रचा। कामायनी उनकी कालजयी कृति है और चन्द्रगुप्त आदि उनके ऐतिहासिक नाटक हैं। आकाशदीप आदि कहानी संग्रह हैं ।

प्रश्न 46. हालदार साहब किस सोच का आदमी है और कैसे?

उत्तर- देशभक्त हालदार साहब सकारात्मक सोच का आदमी है। इसलिए नेताजी की मूर्ति पर लगे सरकंडे के चश्मे को देखकर श्रद्धा से पूरित होया सोचने लगता है कि कहीं तो देशभक्ति बची हुई है।

प्रश्न 47. बालगोबिन भगत अपनी पतोहू को उसके भाई के साथ क्यों भेजना चाहते थे?

उत्तर- बालगोबिन भगत समाज में प्रचलित परम्पराओं और लोक-निंदा की परवाह नहीं करते थे। वे विधवा विवाह के समर्थक थे, इसीलिए वे अपनी पतोहू को दूसरी शादी करने के लिए उसके भाई के साथ भेजना चाहते थे।

प्रश्न 48. "नवाब साहब खीरे की तैयारी और इस्तेमाल से थक कर लेट गए।" कथन में निहित व्यंग्य को स्पष्ट कीजिए।

उत्तर- इस कथन में लेखक ने नवाब साहब की खानदानी तहजीब और नज़ाकत पर व्यंग्य किया है। वे इतने नाजुक थे कि खीरा छीलने, उन पर नमक-मिर्च बुरकने और सूंघ कर फेंकने में ही थक कर उन्हें लेट जाना पड़ा।

प्रश्न 49. बिस्मिल्ला खाँ शहनाई वादन के संबंध में क्या सोचते थे?

उत्तर- उस्ताद बिस्मिल्ला खाँ अपने जीवन भर शहनाई वादन के संबंध में यह सोचते रहे कि अभी उन्हें एक सच्चे स्वर की तलाश है। अभी परमात्मा उन्हें सुर का नया फल देगा जिसे खाकर वे बहुत ही प्रभावी शहनाई वादन कर सकेंगे।

प्रश्न 50. "ऊधौ, तुम हौ अति बड़भागी" में किन लोगों पर व्यंग्य है? सूरदास ने इसके माध्यम से क्या संदेश दिया है?

उत्तर- यहाँ कृष्ण-प्रेम से वंचित लोगों पर व्यंग्य है। जिन लोगों ने भगवान से प्रेम नहीं किया, उनका जीवन व्यर्थ है। ईश्वरीय-प्रेम से रहित लोग अभागे हैं। प्रभु-प्रेम में चाहे कितनी तड़प हो, किन्तु जीवन की सार्थकता उसी से मिलती है।

प्रश्न 51. 'राम-लक्ष्मण-परशुराम संवाद' पाठ में क्या सन्देश दिया गया है?

उत्तर- इस पाठ में यह सन्देश दिया गया है कि बिना सोचे-समझे कभी भी किसी पर क्रोध नहीं करना चाहिए। इससे समस्या सुलझने के बजाय उलझती है। यह सन्देश हमें परशराम के व्यवहार से ही नहीं बल्कि लक्ष्मण की उग्रता से भी मिलता है।

प्रश्न 52. 'उत्साह' कविता में निहित संदेश को स्पष्ट कीजिए।

उत्तर- कवि 'उत्साह' शीर्षक कविता से जोश, पौरुष और क्रान्ति का सन्देश देना चाहता है। इसलिए वह बादलों का आह्वान कर उन्हें सारे आकाश में छा जाने और जोशभरी गड़गड़ाहट के साथ प्यासी धरती की प्यास बुझाने के लिए कहता है।

पश्न 53. 'कन्यादान' कविता में माँ की मूल चिन्ता क्या है?

उत्तर- माँ की चिन्ता यह है कि उसकी लड़की भोली और सरल है। वह वैवाहिक जीवन के कष्टों और कठिनाइयों को नहीं जानती है। इसलिए वह इस स्वार्थी दुनिया की अनुभूति कर अपनी लड़की के संभावित दुःखों के बारे में सोच-सोचकर घुली जा रही है।

प्रश्न 54. 'माता का अंचल' पाठ से आपको बाल-स्वभाव की कौनसी जानकारियाँ मिलती हैं?

उत्तर-'माता का अँचल' पाठ से पता चलता है कि बच्चे अपने सुख-दुःख को मन में नहीं रखते। वे अपने दुःख को रोकर प्रकट करते हैं और अपनी प्रसन्नता को हँसी-. खुशी के माध्यम से व्यक्त करते हैं।

प्रश्न 55. जॉर्ज पंचम की नाक लगने वाली खबर के दिन अखबार चुप क्यों थे?

उत्तर- जॉर्ज पंचम की नाक लगने वाली खबर के दिन अखबार चुप इसलिए थे, क्योंकि जॉर्ज पंचम की बुत पर जिन्दा नाक लगाना अपमानजनक कृत्य था। वे इसका विरोध चुपचाप कर रहे थे। इस कारण कोई समाचार अखबार में नहीं छपा था।

प्रश्न 56. "मैडम यह मैदानी नहीं पहाड़ी इलाका है।" मैदानी और पहाड़ी इलाके के जीवन में मुख्य रूप से क्या अन्तर होता है? 'साना-साना हाथ जोड़ि.....' पाठ के आधार पर लिखिए।

उत्तर- मैदानी इलाकों का जीवन सरल, सहज और समस्त यातायात की सुविधाओं से पूरी तरह से पूरित होता है जबकि पहाड़ी इलाके के लोग कठिन परिश्रमी, यातायात के साधनों से रहित, बढ़े हुए पेट वाले नहीं होते हैं।

प्रश्न 57. रामवृक्ष बेनीपुरी का जीवन व कृतित्व परिचय संक्षेप में लिखिए।

उत्तर- रामवृक्ष बेनीपुरी का जन्म बिहार के बेनीपुर गाँव में 1899 में हुआ। मैट्रिक पास कर स्वतंत्रता आन्दोलन से जुड़ गए। पन्द्रह वर्ष की आयु से रचनाएँ पत्र पत्रिकाओं में छपने लगी। इन्होंने अनेक नाटक, उपन्यास, कहानी, यात्रावृत्तांत, रेखाचित्र लिखे हैं। इन्हें कलम का जादूगर कहा जाता है। इनकी मृत्यु सन् 1968 में हुई।

प्रश्न 58. मन्नू भण्डारी का जीवन व कृतित्व परिचय संक्षेप में लिखिए।

उत्तर- मन्नू भंडारी का जन्म सन् 1931 में भानपुरा, मध्यप्रदेश में हुआ। उनकी शिक्षा-दीक्षा राजस्थान के अजमेर में हुई। हिन्दी कथा साहित्य की प्रमुख लेखिका की रचनाओं में स्त्री-मन से जुड़ी अनुभूतियों को देखा जा सकता है। इन्होंने अनेक कहानियाँ, उपन्यास व आत्मकथ्य लिखा है। इन्हें अनेक पुरस्कार भी प्राप्त हुए हैं। इनकी मृत्यु 15 नवम्बर, 2021 को हुई है।

प्रश्न 59. तुलसीदास का जीवन व कृतित्व परिचय संक्षेप में लिखिए।

उत्तर- तुलसीदास का जन्म बांदा जिले के राजापुर गाँव में सन् 1532 में हुआ था। इनका बचपन से ही माता-पिता से बिछोह हो गया था। गुरु-कृपा से इनका रामभक्ति का मार्ग प्रशस्त हुआ। सन् 1623 में इनका देहान्त हो गया। इन्होंने रामचरितमानस, विनय-पत्रिका आदि जैसे ग्रन्थों की रचना की।

प्रश्न 60. ऋतराज का जीवन व कृतित्व परिचय संक्षेप में लिखिए।

उत्तर- कवि ऋतुराज का जन्म 1940 में भरतपुर में हुआ। उन्होंने अंग्रेजी साहित्य में एम.ए. किया और काव्य-रचना की। 'पुल पर पानी', 'सुरत-निरत', 'लीला मुखार बिन्दु' आदि इनके काव्य संग्रह हैं। इन्हें कई राष्ट्रीय पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है।

प्रश्न 61. कछ दिनों तक नेताजी की मूर्ति बिना चश्मे के क्यों रही? 'नेताजी का चश्मा' पाठ के आधार पर लिखिए।

उत्तर- कुछ दिनों तक नेताजी की मूर्ति बिना चश्मे के इसलिए रही, क्योंकि चश्मा बदलने और लगाने वाला कैप्टन मर गया था। इसलिए कुछ दिनों तक चश्मा लगाने की फिक्र किसी को नहीं रही और बिना चश्मे के ही मूर्ति रह गयी।

प्रश्न 62. बालगोबिन भगत की मौत उन्हीं के अनुरूप हुई। कैसे?

उत्तर- बालगोबिन भगत प्रभु-भक्त थे। उनका जीवन भक्ति में ही बीता। वे जीवन की अन्तिम साँस तक भक्ति के पद गाते रहे। इनके साथ ही वे स्नान-ध्यान, व्रत-नियम की निश्चित क्रियाएँ अन्त तक निभाते रहे। इस प्रकार उनकी मृत्यु उन्हीं के अनुरूप हुई।

प्रश्न 63. डिब्बे में बैठे पूर्व यात्री और लेखक का मिलन कैसा रहा?

उत्तर- डिब्बे में बैठे पूर्व यात्री और लेखक का मिलन नहीं मिलने जैसा ही रहा। दोनों ने एक-दूसरे की उपस्थिति को देखकर बाधा समझा और आपसी संगति में उत्साह नहीं दिखाया। इसलिए पहली भेंट में ही एक-दूसरे से नजरें चुरा लीं।

प्रश्न 64. 'एक कहानी यह भी' पाठ के आधार पर लिखिए कि लेखिका किसके सहयोग से जागरूक नागरिक बन गयी।

उत्तर- लेखिका के पिता ने उसे रसोईघर से हटाकर, सामाजिक समस्याओं की ओर उन्मुख किया। उसे घर में होने वाली बड़ी-बड़ी चर्चाओं में शामिल किया, जिससे वह उनके सहयोग से जागरूक नागरिक बन पायी।

प्रश्न 65. गोपियाँ योग का संदेश उद्धव से किन्हें देने के लिए कहती हैं? और क्यों?

उत्तर- गोपियाँ योग का सन्देश उद्धव को उन्हें देने के लिए कहती हैं जिनका चित्त अस्थिर हो, अर्थात् जिनका मन हमेशा चकरी की तरह घूमता रहता हो। हमारा मन तो पहले से ही कृष्ण-प्रेम में स्थिर हो चुका है।

प्रश्न 66. फरसे को दिखाते हुए परशुराम ने लक्ष्मण से क्या कहा था?

उत्तर- फरसे को दिखाते हुए परशुराम ने लक्ष्मण से आवेगपूर्ण वाणी में कहा था कि मेरे इस फरसे ने सहस्रबाहु की भुजाओं को ही नहीं काट डाला, बल्कि यह क्षत्राणियों के गर्भ में पल रहे बच्चों का भी नाश कर डालता है।

प्रश्न 67. कवि नागार्जुन को दंतुरित मुसकान की छवि बड़ी कब लगती है?

उत्तर- जब शिशु कवि को तिरछी नजर से देखकर अपनी आँखें फेर लेता है, किन्त फिर आँखों से आँख मिलाकर मुस्कराता है और दोनों की आँखें परस्पर मिलती हैं. तब कवि को उसकी दंतुरित मुसकान की छवि बड़ी सुन्दर लगती है। .

प्रश्न 68. 'फसल' कविता का प्रतिपाद्य लिखिए।

उत्तर- 'फसल' कविता में कवि ने बतलाया है कि फसल अनेक सामूहिक प्रयासों की सखद परिणति है। इसमें अनेक प्राकृतिक स्रोत और मानव-श्रम सम्मिलित प्रयास के रूप में समाहित होते हैं। इनके समुचित सहयोग से ही फसल उगती और बढ़ती है।

प्रश्न 69. मूसन तिवारी को किसने चिढ़ाया था और दण्ड किसे मिला था? 'माता का अंचल' पाठ क आधार पर लिखिए।

उत्तर- मूसन तिवारी को बैजू ने चिढ़ाया था। लेकिन बैजू के सुर में सभी बच्चों ने सुर मिलाया था लेकिन स्कूल में शिकायत के आधार पर भोलानाथ को दण्ड मिला था।

प्रश्न 70. अखबारी कतरनों के रूप में हिन्दुस्तानी अखबारों में क्या छापा जा रहा था? 'जॉर्ज पंचम की नाक' कहानी के आधार पर लिखिए।

उत्तर- महारानी एलिजाबेथ के पहनावे का शौक, उनकी जन्मपत्री, प्रिंस फिलिप के कारनामे, उनके अंगरक्षकों की जीवनियाँ आदि को हिन्दुस्तानी अखबारों में कतरनों के रूप में छाया जा रहा था।

प्रश्न 71. कटाओ में चाहते हुए भी लेखिका किराये के जूते क्यों नहीं ले सकी?

उत्तर-- कटाओ में चाहते हुए भी लेखिका किराये के जूते इसलिए नहीं ले सकी क्योंकि वहाँ धूम यांग और झांगू लेक की तरह टूरिस्ट स्पाट नहीं था। इस कारण वहाँ पर स्पोट की एक भी दुकान नहीं थी।

प्रश्न 72. यशपाल का जीवन व कृतित्व परिचय संक्षेप में लिखिए।

उत्तर-- यशपाल का जन्म सन् 1903 में पंजाब के फिरोजपुर छावनी में हुआ था। उन्होंने अपनी पढ़ाई लाहौर कॉलेज से की। वे क्रान्तिकारी धारा से जुड़े जिसके कारण उन्होंने सामाजिक विषमता, राजनैतिक पाखण्ड और रूढ़ियों के खिलाफ रचनाएँ की। उन्होंने कहानियाँ और उपन्यासों की रचना की। उनकी मृत्यु सन् 1976 में हुई।

प्रश्न 73. यतीन्द्र मिश्र का जीवन व कृतित्व परिचय संक्षेप में लिखिए।

उत्तर- यतीन्द्र मिश्र का जन्म सन् 1977 में अयोध्या में हुआ। लखनऊ विश्वविद्यालय से पढ़ाई कर इनके तीन काव्य-संग्रह, यदा-कदा, अयोध्या तथा अन्य कविताएँ, ड्योढी पर आलाप प्रकाशित हुए हैं। यह साहित्यिक पुरस्कार प्राप्त कर विमला देवी फाउण्डेशन का संचालन कर रहे हैं।

प्रश्न 74. सूरदास का जीवन व कृतित्व परिचय संक्षेप में लिखिए।

उत्तर-- सूरदास का जन्म सन् 1478 में दिल्ली के निकट सीही गाँव में हुआ था तथा निधन सन् 1583 में हुआ। वे जन्मांध थे। वे अष्टछाप के भक्त कवियों में सर्वाधिक प्रसिद्ध थे। वे गऊ घाट पर रहते थे। सूरसागर, सूरावली, साहित्य लहरी उनके प्रमुख ग्रन्थ हैं।

प्रश्न 75. जयशंकर प्रसाद का जीवन व कृतित्व का परिचय संक्षेप में लिखिए।

उत्तर- जयशंकर प्रसाद का जन्म सन् 1889 में वाराणसी में सुंघनी परिवार में हुआ तथा उनका निधन सन् 1937 में हुआ। उन्होंने कहानी, उपन्यास, नाटक, आलोचना व कविता आदि विधाओं पर साहित्य

रचा। कामायनी उनकी कालजयी कृति है और चन्द्रगुप्त आदि उनके ऐतिहासिक नाटक हैं। आकाशदीप आदि कहानी संग्रह हैं।

प्रश्न 76. कस्बे की स्थिति 'नेताजी का चश्मा' कहानी के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

उत्तर- कस्बा बहुत बड़ा नहीं था। वहाँ कुछ मकान ही पक्के थे तथा एक ही बाजार था। वहाँ लड़कों का तथा लड़कियों का एक-एक स्कूल, सीमेन्ट का एक छोटा-सा कारखाना, एक ओपन एयर सिनेमा घर तथा एक नगरपालिका थी।

प्रश्न 77. लेखक को नवाब साहब का कौन-सा भाव परिवर्तन अच्छा नहीं लगा?

उत्तर- नवाब साहब ने लेखक से पहले तो बेगानेपन का व्यवहार किया, बाद में लेखक से बातचीत करते हुए सहसा उससे खीरा खाने के लिए कहा। लेखक को उनका यह भाव-परिवर्तन अच्छा नहीं लगा।

प्रश्न 78. पड़ोस-संस्कृति मानव मन को प्रभावित करती है। एक कहानी यह भी' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

उत्तर- लेखिका के एक दर्जन प्रारम्भिक कहानियों के पात्र अजमेर के उसी मोहल्ले के रहे जिनके बीच उसका बचपन और किशोरावस्था बीती थी। लेखिका को उनकी जीवन-शैली, भाव-भंगिमाएँ, भाषा आदि याद रहीं। इससे स्पष्ट होता है कि पड़ोस संस्कृति मानव-मन को प्रभावित करती है।

प्रश्न 79. बिस्मिल्ला खाँ को संगीत की आरम्भिक प्रेरणा किससे मिली थी?

उत्तर- बिस्मिल्ला खाँ को संगीत की आरम्भिक प्रेरणा रसूलन बाई और बतूलन बाई नामक दो गायिका बहनों के गीतों को सुनकर मिली। जब वे शहनाई का रियाज़ करने बालाजी के मन्दिर जाया करते थे, तभी उन्हें रास्ते में इन गायिकाओं के स्वर सुनने को मिलते थे।

प्रश्न 80. परशुराम ने राम की विनयपूर्ण बातों का क्या जवाब दिया और क्यों?

उत्तर- परशुराम ने राम की विनयपूर्ण बातों का जवाब क्रोधयुक्त होकर ही दिया। उन्होंने कहा–तुम सेवक हो? सेवक तो वही होता है, जो सेवा करता है, जो शत्रु जैसा कार्य करता है, वह तो लड़ाई ही मोल लेता है।

प्रश्न 81. 'आत्मकथ्य' कविता में कवि अपनी आत्मकथा क्यों नहीं लिखना चाहता?

उत्तर- कवि अपनी आत्मकथा इसलिए लिखना नहीं चाहता, क्योंकि आत्मकथा लेखन में जीवन की घटनाओं का सही-सही वर्णन करना पड़ता है। कवि के जीवन में दुःख ही दुःख है, असफलताएँ और कमजोरियाँ हैं, उन्हें कहना अपना उपहास उड़ाना है।

प्रश्न 82. 'उत्साह' कविता का प्रतिपाद्य लिखिए।

उत्तर- 'उत्साह' कविता में कवि ने जहाँ बादल को पीड़ित और उदास लोगों की प्यास बुझाने वाला, धरती की तपन को शीतलता प्रदान करने वाला बताया है, वहीं दूसरी ओर संसार को नवीन प्रेरणा और नवीन जीवन प्रदान करने में सामाजिक क्रान्ति का प्रतीक बतलाया है।

प्रश्न 83. कवि को किसकी 'दन्तरित मस्कान' छविमान लगती है और क्यों?

उत्तर-- कवि को छोटे बालक की दन्तुरित मुस्कान छविमान लगती है, क्योंकि उस मुस्कान में जीवन की सुन्दरता, मोहकता और बाँकापन रहता है, उसे देखकर कठोर मन भी पिघल जाता है और अपरिचित व्यक्ति से भी वह अपनत्व-स्नेह प्रकट करती

प्रश्न 84. गाँव के बच्चे प्रायः किस प्रकार के खेल खेला करते थे? 'माता का अँचल' पाठ के आधार पर लिखिए।

उत्तर- गाँव के बच्चे अर्थात् भोलानाथ और उसके साथी मिठाई की दुकान, रसोई बनाना, घरौंदा बनाना, खेती करना, पेड़ की डालियों पर झूला झूलना, कुश्ती लड़ना आदि खेल खेला करते थे।

प्रश्न 85. 'जॉर्ज पंचम की नाक' पाठ में मूर्तिकार की सहसा आँखों में चमक आ गई। चमक आने का क्या कारण था और उसने क्या कहा?

उत्तर--- जॉर्ज पंचम की मूर्ति पर नाक लगाने की युक्ति आ जाना उसकी आँखों में चमक आने का कारण था। उसने कहा अपने नेताओं की मूर्ति पर से नाक उतार कर जॉर्ज पंचम की नाक पर लगा दी जाए।

प्रश्न 86. 'कटाओ हिन्दुस्तान का स्विट्जरलैण्ड है।' नार्गे के इस कथन पर लेखिका की सहेली मणि ने क्या प्रतिवाद किया था?

उत्तर- लेखिका की सहेली मणि वास्तव में स्विट्जरलैण्ड घूम आई थी इसलिए उसने प्रतिवाद करते हुए कहा था-"नहीं, स्विट्जरलैण्ड न तो इतनी ऊँचाई पर है और न इतना सुन्दर है।"

प्रश्न 87. स्वयं प्रकाश का जीवन व कृतित्व परिचय संक्षेप में लिखिए।

उत्तर--- स्वयं प्रकाश का जन्म 1947 में इन्दौर में हुआ था। उन्होंने मैकेनिकल इंजीनियरिंग की पढ़ाई की। उन्होंने 'सूरज कब निकलेगा' आदि कहानी तथा उपन्यास भी लिखे हैं। उनका देहान्त 2019 में हुआ।

प्रश्न 88. यशपाल का जीवन व कृतित्व परिचय संक्षेप में लिखिए।

उत्तर--- यशपाल का जन्म सन् 1903 में पंजाब के फिरोजपुर छावनी में हुआ था। उन्होंने अपनी पढ़ाई लाहौर कॉलेज से की। वे क्रान्तिकारी धारा से जुड़े। जिसके कारण उन्होंने सामाजिक विषमता, राजनैतिक पाखण्ड और रूढ़ियों के खिलाफ रचनाएँ की। उन्होंने कहानियाँ और उपन्यासों की रचना की। उनकी मृत्यु सन् 1976 में हुई।

प्रश्न 89. सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला का जीवन व कृतित्व परिचय संक्षेप में लिखिए।

उत्तर--- निरालाजी का जन्म बंगाल के मेदनीपुर में सन् 1899 में हुआ। इनकी औपचारिक शिक्षा महिषादल में नौवीं तक हुई। अनामिका, परिमल आदि इनके काव्य-संग्रह हैं। इन्होंने उपन्यास, कहानी, आलोचना तथा निबन्ध भी लिखे हैं। इनका देहान्त सन् 1961 में हो गया।

प्रश्न 90. 'नागार्जुन' का जीवन व कृतित्व परिचय संक्षेप में लिखिए।

उत्तर- नागार्जुन का जन्म बिहार के दरभंगा जिले के सतलखा गाँव में सन् 1911 में हुआ था। इनकी शिक्षा बनारस और कोलकाता में हुई। बौद्ध धर्म में दीक्षित होने के उपरान्त इन्होंने सम्पूर्ण भारत की यात्रा की। इनके रचित काव्य युगधारा, तुमने कहा था आदि हैं। सन् 1998 में इनका देहान्त हो गया।

प्रश्न 91. नेताजी की मूर्ति लगाने के कार्य को सफल और सराहनीय प्रयास क्यों बताया गया?

उत्तर- नेताजी की मूर्ति देखकर लोगों के मन में देश-प्रेम की भावना जगाने के साथ ही 'दिल्ली चलो' और 'तुम मुझे खून दो.....' आदि देशभक्ति की भावना जगाने वाले नारे याद आने लगते थे। इसलिए यह कार्य सफल और सराहनीय था।

प्रश्न 92. लेखक बालगोबिन भगत के किस गुण पर मुग्ध था?

उत्तर-- लेखक बालगोबिन के व्यक्तित्व में समाये संगीत के गान पर मुग्ध था जो उसको हमेशा सुनने को मिलते थे, वे कबीर के पद गाते थे जो उनके कंठ से निकल कर सजीव हो उठते थे।

प्रश्न 93. 'एक कहानी यह भी' की लेखिका की माँ अपनी सन्तानों के लिए आदर्श क्यों नहीं बन पाई?

उत्तर- लेखिका की माँ अपनी संतानों के लिए अपने व्यक्तित्व की कमजोरियों के कारण आदर्श नहीं बन पाई, क्योंकि जहाँ वे एकदम भोली और अशिक्षित थीं, वहीं वे बेचारी निरीह और व्यक्तित्वविहीन थीं।

प्रश्न 94. उस्ताद बिस्मिल्ला खां खुदा से क्या माँगते थे और क्यों?

उत्तर- उस्ताद बिस्मिल्ला खाँ खुदा से सच्चा सुर माँगते थे, क्योंकि वे अपनी शहनाई वादन की कला को और अधिक लयकारी बंनाना चाहते थे जिससे वे शहनाई के सरों से श्रोताओं की आँखों में आनन्द के आँसू ला दें।

एन 95. गोपियों ने उद्धव से योग की शिक्षा कैसे लोगों को देने की बात कही?

उत्तर- गोपियों ने उद्धव से कहा कि वे अपने योग की शिक्षा ऐसे लोगों को दे जिनके मन स्थिर नहीं हैं अर्थात् जिनके मन में भटकाव है, दुविधा है, और प्रेम की एकनिष्ठा नहीं है, उनके लिए योग शिक्षा हितकारी है।

प्रश्न 96. लक्ष्मण ने वीर योद्धा की क्या विशेषताएँ बताई हैं?

उत्तर- लक्ष्मण ने वीर योद्धा की विशेषताएँ बताते हुए कहा कि वीर योद्धा रण-भूमि में वीरता दिखाता है और अपने वीरतापूर्ण कार्यों के माध्यम से अपना परिचय देता है। वे अपने पौरुष का अहंकार नहीं रखते हैं और अपने मुँह से अपनी वीरता का बखान नहीं करते हैं।

प्रश्न 97. कवि जयशंकर प्रसाद अपनी सरलता की हँसी उड़ाने से क्यों बचना चाहते हैं?

उत्तर- स्वभाव की सरलता के कारण ही कवि को उसके सयाने दोस्तों ने धोखा दिया है। अतः वह अपनी आत्मकथा लिखकर अपनी कमजोरियों और दु:खद घटनाओं की स्मृतियों को दुहराता है तो उसकी सरलता उपहास का पात्र बनेगी। वह इससे बचना चाहता है।

प्रश्न 98. उत्साह कविता में कवि ने बादलों की तुलना किससे की है?

उत्तर- कवि ने बादलों की तुलना नव जीवन देने वाले साहित्यकार एवं क्रान्तिचेता पुरुष से की है। जिस तरह कवि कविता द्वारा निराश मन में उत्साह का संचार कर देता है, उसी प्रकार बादल वर्षा कर प्राणियों और धरती को शीतलता देता है।

प्रश्न 99. भोलानाथ अपनी मित्र मण्डली के साथ कौन-कौनसे खेल खेलते हैं?

उत्तर- भोलानाथ अपनी मित्र मंडली के साथ बचपन के स्वभाव के आधार पर चबूतरे पर नौटंकी करना, बारात का जुलूस निकालना, दुकान सजाना, खेती करना और घरौंदा बनाना आदि खेल खेलते थे।

प्रश्न 100. 'जॉर्ज पंचम की नाक' कहानी में किस मनोवृत्ति पर व्यंग्य किया गया है?

उत्तर-'जॉर्ज पंचम की नाक' कहानी में जॉर्ज पंचम की कटी नाक पर सरकारी तंत्र की मनोवृत्ति पर व्यंग्य किया गया है कि जॉर्ज पंचम की कटी नाक कैसे ठीक हो जाए और उसकी सुरक्षा व्यवस्था होती रहे।

प्रश्न 101. जितेन ने लेखिका को गुरु नानक के विषय में क्या जानकारी दी? साना-साना हाथ जोड़ी-- पाठ के आधार पर लिखिए।

उत्तर– पर्वतीय स्थान से लौटते समय जितेन ने लेखिका को एक स्थान पर जानकारी देते हुए बताया, "मैडम यहाँ एक पत्थर है जिस पर गुरु नानक के फुट प्रिंट हैं। कहते हैं यहाँ गुरुनानक की थाली से थोड़े से चावल छिटक कर बाहर गिर गए थे। जिस जगह चावल छिटक कर गिरे थे वहाँ चावल की खेती होती है।"

प्रश्न 102. मन्नू भण्डारी का जीवन व कृतित्व परिचय संक्षेप में लिखिए।

उत्तर– मन्नू भंडारी का जन्म सन् 1931 में भानपुरा, मध्यप्रदेश में हुआ। उनकी शिक्षा-दीक्षा राजस्थान के अजमेर में हुई। हिन्दी कथा साहित्य की प्रमुख लेखिका की रचनाओं में स्त्री-मन से जुड़ी अनुभूतियों को देखा जा सकता है। इन्होंने अनेक कहानियाँ, उपन्यास व आत्मकथ्य लिखा है। इन्हें अनेक पुरस्कार भी प्राप्त हुए हैं। इनकी मृत्यु 15 नवम्बर, 2021 को हुई है।

प्रश्न 103. यतीन्द्र मिश्र का जीवन व कृतित्व परिचय संक्षेप में लिखिए।

उत्तर- यतीन्द्र मिश्र का जन्म सन् 1977 में अयोध्या में हुआ। लखनऊ विश्वविद्यालय से पढ़ाई कर इनके तीन काव्य-संग्रह, यदा-कदा आदि प्रकाशित हुए हैं। यह साहित्यिक पुरस्कार प्राप्त कर विमलादेवी फाउण्डेशन का संचालन कर रहे हैं।

प्रश्न 104. सूरदास का जीवन व कृतित्व परिचय संक्षेप में लिखिए।

उत्तर- सूरदास का जन्म सन् 1478 में दिल्ली के निकट सीही गाँव में हुआ था तथा निधन सन् 1583 में हुआ। वे जन्मांध थे। वे अष्टछाप के भक्तकवियों में सर्वाधिक प्रसिद्ध थे। वे गऊ घाट पर रहते थे। सूरसागर, सूरावली, साहित्य लहरी उनके प्रमुख ग्रन्थ हैं।

प्रश्न 105. जयशंकर प्रसाद का जीवन व कृतित्व परिचय संक्षेप में लिखिए।

उत्तर- जयशंकर प्रसाद का जन्म सन् 1889 में वाराणसी में संघनी परिसर तथा उनका निधन सन् 1937 में हुआ। उन्होंने कहानी, उपन्यास, नाटक साल कविता आदि विधाओं पर साहित्य रचा। कामायनी उनकी कालजयी कविता

" चन्द्रगुप्त आदि उनके ऐतिहासिक नाटक हैं । आकाशदीप आदि कहानी संग

प्रश्न 106. कैप्टन चश्मे वाले को सामने देखकर हालदार साहब अवाक् क्या रह गए?

उत्तर- हालदार साहब ने नेताओं के प्रति सम्मान की भावना देखकर सोचा कि शायद कैप्टन चश्मेवाला नेताजी का साथी है या आजाद हिन्द फौज का सिपाही रहा होगा। लेकिन जब सामने कैप्टन रूप में बूढ़ा, मरियल और लंगड़ा आदमी खड़ा देखा, तो हालदार अवाक् रह गए।

प्रश्न 107. बालगोबिन भगत सद्गृहस्थ थे, आप कैसे कह सकते हैं?

उत्तर- बालगोबिन भगत सद्-गृहस्थ थे। उनके परिवार में एक पुत्र और पतोहू भी थी। भगतजी अन्य गृहस्थों की तरह खेती-बारी करते थे। वे लोक व्यवहार में खरे और निःस्वार्थ भाव से पूरित थे।

प्रश्न 108. लेखिका को देश-चिन्तक बनाने में आप किसकी भूमिका को महत्त्वपूर्ण मानते हैं और क्यों? 'एक कहानी यह भी' पाठ के आधार पर लिखिए।

उत्तर-- लेखिका को देश-चिन्तक बनाने में उसके पिता की भूमिका को ही हम महत्त्वपूर्ण मानते हैं, क्योंकि उन्होंने ही उसे रसोईघर से हटाकर घर में होने वाली राजनैतिक संगोष्ठियों में उठना-बैठना सिखाया था।

प्रश्न 109. 'नौबतखाने में इबादत' पाठ का सन्देश लिखिए।

उत्तर- इस पाठ से हमें सन्देश मिलता है कि हम चाहें किसी धर्म के अनुयायी हों, हमें बिना भेदभाव के धार्मिक सहिष्णुता के साथ जीवन जीना चाहिए और सभी धर्मों के प्रति श्रद्धा रखनी चाहिए। कला और कलाकार का सम्मान करना चाहिए।

प्रश्न 110. लक्ष्मण के स्वभाव की विशेषताएँ राम-लक्ष्मण-परशुराम संवाद पाठ के आधार पर बताइए।

उत्तर- लक्ष्मण का स्वभाव राम के विपरीत है। वे उग्र, वीर एवं साहसी हैं । वे अपने व्यंग्य बाणों से परशुराम को छलनी कर देते हैं। इसके साथ ही वे वाचाल, मर्यादा का उल्लंघन करने वाले और आक्रामक स्वभाव के हैं।

प्रश्न 111. गागर रीति से कवि का क्या अभिप्राय है? 'आत्मकथा' कविता के आधार पर लिखिए।

उत्तर- गागर रीति से कवि का अभिप्राय खाली घड़ा अर्थात् असफल जीवन से है। खाली घड़े की तरह कवि का जीवन भी महत्त्वहीन है। उसके जीवन में कोई भी ऐसी उपलब्धि नहीं है जिसे वह आत्मकथा के माध्यम में कह सके।

प्रश्न 112. 'उत्साह' कविता में कवि ने विकल और अनमने किन्हें बताया है और क्या?

उत्तर- कवि ने विकल और अनमने धरती पर रहने वाले प्राणियों को बताया है क्योंकि वे धरती पर पड़ने वाली गर्मी से पीड़ित हैं। यहाँ भीषण गर्मी सांसारिक कष्टों की भी प्रतीक मानी जा सकती है।

प्रश्न 113. कवि ने छाया को छूने के लिए क्यों मना किया है?

उत्तर- कवि ने छाया छूने के लिए इसलिए मना किया है क्योंकि बीते दिनों की मधुर स्मतियाँ वर्तमान जीवन के क्षणों में आकर उसे परिवर्तित नहीं कर पाती हैं। उनकी यादें वर्तमान और भविष्य को बिगड़ने वाली होती हैं।

प्रश्न 114. 'माता का अँचल' पाठ में भोलानाथ द्वारा चूहे के बिल में पानी डालना बच्चों की किस मनोवृत्ति को प्रकट करता है?

उत्तर- 'माता का अँचल' पाठ में भोलानाथ द्वारा चूहे के बिल में पानी डालना बच्चों की पशु-पक्षियों के प्रति शरारती प्रवृत्ति को दर्शाता है। बच्चों की यह प्रवृत्ति उचित नहीं है। हमें पशु-पक्षियों के साथ छेड़खानी नहीं करनी चाहिए।

प्रश्न 115. नाक लगने पर भी कोई सरकारी क्यों नहीं हो पाया? 'जॉर्ज पंचम की नाक' पाठ के आधार पर लिखिए।

उत्तर- जॉर्ज पंचम की लाट पर कलाकार को किसी भारतीय की जिन्दा नाक लगानी थी। इस कारण पूरा सरकारी तन्त्र डटा हुआ था कि कहीं उनकी नाक जॉर्ज पंचम की लाट पर फिट न कर दी जाए। इसलिए उस दिन समारोह में कोई अधिकारी नहीं आया।

प्रश्न 116. कटाओ के आकर्षक दृश्य को देखकर लेखिका क्या सोच रही थी?

उत्तर- 'लेखिका प्रकृति की सम्पूर्णता को अपने अन्दर ही अनुभव कर रही थी। उसे. लगा कि विभोर कर देने वाली उस दिव्यता के बीच हमारे ऋषियों ने वेदों की रचना की होगी।

प्रश्न 117. रामवृक्ष बेनीपुरी का जीवन व कृतित्व परिचय संक्षेप में लिखिए।

उत्तर- रामवृक्ष बेनीपुरी का जन्म बिहार के बेनीपुर गाँव में सन् 1899 में हुआ। ये मैरिट पास कर स्वतंत्रता आन्दोलन से जुड़ गए। पन्द्रह वर्ष की आयु से इनकी रचनाएँ पत्र पत्रिकाओं में छपने लगीं। इन्होंने अनेक नाटक, उपन्यास, नाटक, यात्रा-वृत्तान्त तथा रेखाचित्र लिखे हैं। इन्हें कलम का जादूकर कहा जाता है। इनकी मृत्यु सन् 1968 में हुई।

प्रश्न 118. यशपाल का जीवन व कृतित्व परिचय संक्षेप में लिखिये।

उत्तर- यशपाल का जन्म सन् 1903 में पंजाब के फिरोजपुर छावनी में हुआ था। उन्होंने अपनी पढ़ाई लाहौर कॉलेज से की। वे क्रान्तिकारी धारा से जुड़े जिसके कारण उन्होंने सामाजिक विषमता, राजनैतिक पाखण्ड और रूढ़ियों के खिलाफ रचनाएँ कीं। उन्होंने कहानियाँ और उपन्यासों की रचना की। उनकी मृत्यु सन् 1976 में हुई।

प्रश्न 119. तुलसीदास का जीवन व कृतित्व परिचय संक्षेप में लिखिए।

उत्तर- 16. तुलसीदास का जन्म बांदा जिले के राजापुर गाँव में सन् 1532 में हुआ था। इनका बचपन से ही माता-पिता से बिछोह हो गया था। गुरु-कृपा से इनका रामभक्ति का मार्ग प्रशस्त हुआ। सन् 1623 में इनका देहान्त हो गया। इन्होंने रामचरितमानस, विनय-पत्रिका आदि जैसे ग्रन्थों की रचना की।

प्रश्न 120. ऋतुराज का जीवन व कृतित्व परिचय संक्षेप में लिखिए।

उत्तर- कवि ऋतुराज का जन्म 1940 में भरतपुर में हुआ। उन्होंने अंग्रेजी साहित्य में एम.ए. किया और काव्य-रचना की। 'पुल पर पानी', 'सुरत-निरत' 'लीला मुखार बिन्दु' आदि इनके काव्य संग्रह हैं। इन्हें कई राष्ट्रीय पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है।

प्रश्न 121. 'लखनवी अंदाज' पाठ के आधार पर नवाब साहब के व्यक्तित्व का परिचय दीजिए।

उत्तर- कहानी के प्रथम पात्र नवाब साहब के व्यक्तित्व में मिलनसारिता से रहित, सनकी स्वभाव वाले, अकड़ दिखाने वाले, झूठी शान-शौकत का दिखावा करने वाले और नवाबों की नफ़ासत, नज़ाकत आदि विशेषताएँ समायी हुई हैं।

प्रश्न 122. 'एक कहानी यह भी' के आधार पर बताइए कि दकियानूसी विचारधारा जहाँ मन को हतोत्साहित करती है, वहीं प्रगतिशील विचारधारा मानव मन को गर्वित करती है।

उत्तर– लेखिका की भाषणबाजी को सुनकर लेखिका के पिता के दकियानूसी मित्र ने जहाँ उन्हें हतोत्साहित कर लेखिका को घर से बाहर निकलना बंद कर दिया था। वहीं डॉ. अम्बालाल द्वारा लेखिका की प्रशंसा सुनकर गर्वित हो उठे थे।

प्रश्न 123. कौनसा दिन बिस्मिल्ला साहब के लिए विशेष महत्त्व रखता था? उस दिन वे क्या करते थे?

उत्तर--- मुहर्रम के शोक मनाने का आठवां दिन खाँ साहब के लिए विशेष महत्त्व रखता था। उस दिन ये आठ किलोमीटर तक पैदल रोते हुए शोक सूचक ध्वनि बजाते हुए जाते थे।

प्रश्न 124. लेखक द्वारा बालगोबिन भगत की संगीत-साधना का चरम उत्कर्ष किस दिन देखा गया?

उत्तर- लेखक को उनकी संगीत-साधना का चरम उत्कर्ष उस दिन देखने को मिला जिस दिन उनके पुत्र की मृत्यु हो गयी थी। वे उस दिन सामान्य गृहस्थों की तरह विलाप न करके शव के सामने बैठ कर भक्ति के पद गा रहे थे।

प्रश्न 125. राज धरम तौ यहै' इस कथन के माध्यम से सूरदास ने किस जीवन-सत्य का बोध कराया है?

उत्तर- सूरदास ने इस जीवन सत्य का बोध कराया है, क्योंकि कृष्ण ने अब तक लोगों को अन्याय से बचाया है। मथुरा में राजा बनने से तो उन्हें राजधर्म का पूरा निर्वाह करना चाहिए, परन्तु अब वे हमारे लिए योग-संदेश भेजकर अन्याय कर रहे हैं।

प्रश्न 126. शूरवीर और कायर में क्या अन्तर बताया गया है? राम-लक्ष्मण-परशुराम संवाद पाठ के आधार पर लिखिए।

उत्तर- शूरवीर तो युद्ध में शूरवीरता का कार्य करते हैं। वे अपने मुँह से अपनी प्रशंसा नहीं करते हैं जबकि शत्रु को पाकर कायर लोग युद्ध करने की बजाय अपनी डींग हाँका करते हैं।

प्रश्न 127. उज्ज्वल गाथा कैसे गाऊँ? कवि की उज्ज्वल गाथा कौनसी थी? वह क्यों नहीं गाना चाहता था?

उत्तर-- कवि की उज्ज्वल गाथा प्रिय के साथ मधुर मिलन के क्षण थी। वह उसके बार में, इसलिए बताना नहीं चाहता क्योंकि वह उस पर अपना व्यक्तिगत अधिकार मानता है और उन्हीं क्षणों की स्मतियों के सहारे अपना शेष जीवन बिताना चाहता है।

प्रश्न 128. 'उत्साह' कविता में कवि ने बादलों के सम्बन्ध में क्या-क्या कहा है?

उत्तर-- कवि ने बादलों के संबंध में कहा है कि वे वज्रपात की शक्ति रखने वाला नवीन सृष्टि कर्ता, जल रूपी नवजीवन देने वाले, संसार को नवप्रेरणा देने वाले, धरती को शीतलता प्रदान करने वाले तथा सामाजिक क्रान्ति हेतु महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले हैं।

प्रश्न 129. 'माता का अँचल' पाठ में बच्चे क्या-क्या तमाशा करने लग जाते थे?

उत्तर- बच्चे कभी नाटक करते, कभी चँदोवा तानकर मिठाइयों की दुकान लगाते, कभी ढेले के लड्डू, पत्तों की पूरी कचोरियाँ, गीली मिट्टी की जलेबियाँ, फूटे घड़ों के टुकड़ों के बताशे आदि तमाशे लगाने लग जाते थे।

प्रश्न 130. और देखते-देखते नयी दिल्ली की कायापलट होने लगी। नई दिल्ली के कायापलट हेतु क्या क्या प्रयत्न किए गए होंगे?

उत्तर- नयी दिल्ली की कायापलट हेतु सड़कों की मरम्मत कराई गयी होगी, रोशनी की उत्तम व्यवस्था की गयी होगी। सरकारी इमारतों पर रंग-रोगन किया गया होगा, उनकी सजावट की गयी होगी। सफाई व्यवस्था पर विशेष ध्यान दिया गया होगा आदि।

प्रश्न 131."कितनी अद्भुत व्यवस्था है जलसंचय की।" कवि ने प्रकृती की जल व्यवस्था के सम्बन्धी क्यों कहा?

उत्तर-- मणि ने कहा-प्रकृति सर्दियों में काफी बर्फ गिराकर हिमशिखरों के रूप में जल स्तम्भ खड़े कर देती है। इस तरह वह जल-संग्रह का नायाब ढंग से इन्तजाम कर देती है। जब गर्मियों में जल की किल्लत होती है तब यही शिलाएँ पिघल कर जल धारा बन कर हमारे कष्टों को तरावट पहुँचाती हैं।

प्रश्न 132. यशपाल का जीवन व कृतित्व परिचय संक्षेप में लिखिए।

उत्तर–

यशपाल का जन्म सन् 1903 में पंजाब के फिरोजपुर छावनी में हुआ था। उन्होंने अपनी पढ़ाई लाहौर कॉलेज से की। वे क्रान्तिकारी धारा से जुड़े जिसके कारण उन्होंने सामाजिक विषमता, राजनैतिक पाखण्ड और रूढ़ियों के खिलाफ रचनाएँ कीं। उन्होंने कहानियाँ और उपन्यासों की रचना की। उनकी मृत्यु सन् 1976 में हुई।

प्रश्न 133. यतीन्द्र मिश्र का जीवन व कृतित्व परिचय संक्षेप में लिखिए।

उत्तर-- यतीन्द्र मिश्र का जन्म सन् 1977 में अयोध्या में हुआ। लखनऊ विश्वविद्यालय से पढ़ाई कर इनके तीन काव्य-संग्रह, यदा-कदा आदि प्रकाशित हुए हैं। यह साहित्यिक पुरस्कार प्राप्त कर विमलादेवी फाउण्डेशन का संचालन कर रहे हैं।

प्रश्न 134. सूरदास का जीवन व कृतित्व परिचय संक्षेप में लिखिए।

उत्तर-- सूरदास का जन्म सन् 1478 में दिल्ली के निकट सीरी गाँव में हुआ था तथा निधन सन् 1583 में हुआ। वे जन्मांध थे। वे अष्टछाप के भक्तकवियों में सर्वाधिक प्रसिद्ध थे। वे गऊ घाट पर रहते थे। सूरसागर, सूरसारावली, साहित्य लहरी उनके प्रमुख ग्रन्थ हैं।

प्रश्न 135. सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला का जीवन व कृतित्व परिचय संक्षेप में लिखिए।

उत्तर-- निरालाजी का जन्म बंगाल के मेदनीपुर में सन् 1899 में हुआ। इनकी औपचारिक शिक्षा महिषादल में नौवीं तक हुई। अनामिका, परिमल आदि इनके काव्य-संग्रह हैं। इन्होंने उपन्यास, कहानी, आलोचना तथा निबन्ध भी लिखे हैं। इनका देहान्त संन् 1961 में हो गया।